Pro

Chapter 25

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	גַּם־	אֵלֶּה	מְשָׁלֵי	שְׁלֹמֹה	אֲשֶׁר	הֶעְתִּיקוּ	אַנְשֵׁי	חִזְקִיָּה	מֶלֶךְ־	יְהוּדָה׃
	भी-	ये	दृष्टांत	शलोमो-के	जो	नकल-किए	मनुष्यों-ने	हिजकिय्याहू	राजा-	यहूदाह-के
	H1571	H0428	H4912	H8010		H6275	H0376	H2396	H4428	H3063

सुलैमान की ये कुछ अन्य सूक्तियाँ हैं जिनका प्रतिलेख यहूदा के राजा हिजकिय्याह के लोगों ने तैयार किया था:

2	כְּבֹד	אֱלֹהִים	הַסְתֵּר	דָּבָר	וּכְבֹד	מְלָכִים	חֲקֹר	דָּבָר׃
	महिमा	एलोहीम-की	छिपाना	बात	और-महिमा	राजाओं-की	खोजना	बात
	H3519	H0430	H5641	H1697	H3519	H4428	H2713	H1697

किसी विषय—वस्तु को रहस्यपूर्ण रखने में परमेश्वर की गरिमा है किन्तु किसी बात को ढूँढ निकालने में राजा की महिमा है।

3	שָׁמַיִם	לָרוּם	וְאֶרֶץ	לָעֹמֶק	וְלֵב	מְלָכִים	אֵין	חֵקֶר׃
	आकाश	ऊंचाई-में	और-पृथ्वी	गहराई-में	और-हृदय	राजाओं-का	नहीं	खोजा-जा-सकता
	H8064	H7312	H0776	H6011		H4428	H0369	H2714

जैसे ऊपर अन्तहीन आकाश है और नीचे अटल धरती है, वैसे ही राजाओं के मन होते हैं जिनके ओर—छोर का कोई अता पता नहीं। उसकी थाह लेना कठिन है।

4	הָגֹו	סִיגִים	מִכֶּסֶף	וְיֵצֵא	לַצֹּרֵף	כֶּלִי׃
	निकाल	मैल	चांदी-से	और-निकलेगा	सुनार-के-लिए	भांडा
	H1898	H5509	H3701	H3318	H6884	H3627

जैसे चाँदी से खोट का दूर करना, सुनार को उपयोगी होता है,

5	הָגֹו	רָשָׁע	לִפְנֵי־	מֶלֶךְ	וְיִכֹּון	בַּצֶּדֶק	כִּסְאֹו׃
	निकाल	दुष्ट-को	सामने-से-	राजा-के	और-स्थिर-होगा	धार्मिकता-में	सिंहासन-उसका
	H1898	H7563	H6440	H4428		H6664	H3678

वैसे ही राजा के सामने से दुष्ट को दूर करना नेकी उसके सिंहासन को अटल करता है।

6	אַל־	תִּתְהַדַּר	לִפְנֵי־	מֶלֶךְ	וּבִמְקֹום	גְּדֹלִים	אַל־	תַּעֲמֹד׃
	मत-	बड़ाई-कर	सामने-	राजा-के	और-जगह-में	बड़ों-की	मत-	खड़ा-हो
	H0408	H1921	H6440	H4428	H4725		H0408	H5975

राजा के सामने अपने बड़ाई मत बखानो और महापुरुषों के बीच स्थान मत चाहो।

7	כִּי	טֹוב	אֱמָר־	לְךָ	עֲלֵה	הֵנָּה	מֵהַשְׁפִּיל	לִפְנֵי	נָדִיב	אֲשֶׁר
	क्योंकि	उत्तम	कहना-	तुझे	ऊपर-आ	यहां	नीचा-करने-से-तुझे	सामने	उदार-के	जिसे
			H0559		H5927	H2008	H8213	H6440	H5081	

רָאוּ	
देखीं	
H7200	

עֵינֶיךָ׃
आंखों-तेरी-ने

उत्तम वह है जो तुझसे कहे, “आ यहाँ, आ जा” अपेक्षा इसके कि कुलीन जन के समक्ष वह तेरा निरादर करें।

8

אַל־	תֵּצֵא	לָרִב	מַהֵר	פֶּן	מַה־	תַּעֲשֶׂה	בְּאַחֲרִיתָהּ	בְּהַכְלִים	אֹתְךָ	רֵעֶךָ׃
मत-	निकल	झगड़े-के-लिए	जल्दी	नहीं-तो	क्या-	करेगा	अंत-में-उसके	लज्जित-करने-पर	तुझे	पड़ोसी-तेरे-ने
H0408	H3318	H7378		H6435	H4100		H0319	H3637	H0853	H7453

तू किसी को जल्दी में कचहरी मत घसीट। क्योंकि अंत में वह लज्जित करें तो तू क्या कहेगा

9

רִיבְךָ	רִיב	אֶת־	רֵעֶךָ	וְסוֹד	אַחֵר	אַל־	תְּגָל׃
मुकदमा-अपना	लड़	-	पड़ोसी-अपने-से	और-रहस्य	दूसरे-का	मत-	प्रकट-कर
H7379	H7378	H0854	H7453	H5475	H0312	H0408	H1540

यदि तू अपने पड़ोसी के संग में किसी बात पर विवाद करे, तो किसी जन का विश्वास जो तुझमें निहित है, उसको तू मत तोड़।

10

פֶּן־	יְחַסֶּדְךָ	שֹׁמֵעַ	וְדִבָּתְךָ	לֹא	תָשׁוּב׃
नहीं-तो-	लज्जित-करे-तुझे	सुननेवाला	और-बदनामी-तेरी	नहीं	लौटेगी
H6435		H8085	H1681	H3808	H7725

ऐसा न हो जाये कहीं तेरी जो सुनता हो, लज्जित तुझे ही करे। और तू ऐसे अपयश का भागी बने जिसका अंत न हो।

11

תַּפּוּחֵי	זָהָב	בְּמַשְׂכִּיּוֹת	כָּסֶף	דָּבָר	דָּבֻר	עַל־	אָפְנָיו׃
सेब	सोने-के	जालीदार-कटोरों-में	चांदी-की	वचन	बोला-गया	पर-	उचित-अवसरों-पर-अपने
H8598	H2091	H4906	H3701	H1697	H1696		H0655

अवसर पर बोला वचन होता है ऐसा जैसा हों चाँदी में स्वर्णिम सेब जड़े हुए।

12

נֶזֶם	זָהָב	וַחֲלִי־	כָתֶם	מוֹכִיחַ	חָכָם	עַל־	אֹזֶן	שֹׁמָעַת׃
बाली	सोने-की	और-गहना-	शुद्ध-सोने-का	डांटनेवाला	बुद्धिमान	पर-	कान	सुननेवाले
H5141	H2091	H2481	H3800	H3198	H2450		H0241	H8085

जो कान बुद्धिमान की झिड़की सुनता है, वह उसके कान के लिये सोने की बाली या कुन्दन की आभूषण बन जाता है।

13

כְּצִנַּת־	שֶׁלֶג	בְּיוֹם	קָצִיר	צִיר	נֶאֱמָן	לְשֹׁלְחָיו	וְנֶפֶשׁ	אֲדֹנָיו	יָשִׁיב׃	פ
ठंडक-जैसी-	बर्फ-की	दिन-में	कटाई-के	दूत	विश्वासयोग्य	भेजनेवालों-अपने-के-लिए	और-प्राण	स्वामियों-अपने-के	ताज़ा-करता-है	प
	H7950	H3117			H0539	H7971	H5315	H0113	H7725	

एक विश्वास योग्य दूत, जो उसे भेजते हैं उनके लिये कटनी के समय की शीतल बयार सा होता है हृदय में निज स्वामियों के वह स्फूर्ती भर देता है।

14

נְשִׂיאִים	וְרוּחַ	וְגֶשֶׁם	אָיִן	אִישׁ	מִתְהַלֵּל	בְּמַתַּת־	שָׁקֶר׃
बादल	और-हवा	और-वर्षा	नहीं	मनुष्य	घमंड-करनेवाला	भेंट-में-	झूठी
	H7307	H1653	H0369	H0376		H4991	H8267

वह मनुष्य वर्षा रहित पवन और रीतें मेघों सा होता है, जो बड़ी—बड़ी कोरी बातें देने की बनाता है; किन्तु नहीं देता है।

15

בְּאֹרֶךְ	אַפַּיִם	יְפֻתֶּה	קָצִין	וְלָשׁוֹן	רַכָּה	תִּשְׁבָּר־	גָּרֶם׃
लंबाई-से	धैर्य-की	मनाया-जाएगा	हाकिम	और-जीभ	कोमल	तोड़-देती-है-	हड्डी
H0753	H0639		H7101	H3956	H7390	H7665	H1634

धैर्यपूर्ण बातों से राजा तक मनाये जाते और नम्र वाणी हड्डी तक तोड़ सकती हैं।

16

דְּבַשׁ	מָצָאתָ	אֱכֹל	דַּיֶּךָּ	פֶּן־	תִּשְׂבָּעֶנּוּ	וַהֲקֵאתוֹ׃
शहद	पाया-तूने	खा	पर्याप्त-अपने	नहीं-तो-	अघाएगा-उससे	और-उल्टी-करेगा-उसे
H1706	H4672	H0398	H1767	H6435	H7646	H6958

यद्यपि शहद बहुत उत्तम है, पर तू बहुत अधिक मत खा और यदि तू अधिक खायेगा, तो उल्टी आ जायेगी और रोगी हो जायेगा।

17	הֹקַר	רַגְלְךָ	מִבֵּית	רֵעֶךָ	פֶּן־	יִשְׂבָּעֲךָ	וּשְׂנֵאֶךָ׃
	घटा	पैर-अपना	घर-से	पड़ोसी-अपने-के	नहीं-तो-	उकताए-तुझसे	और-घृणा-करे-तुझसे
	H3365	H7272		H7453	H6435	H7646	H8130

वैसे ही तू पड़ोसी के घर में बार—बार पैर मत रख। अधिक आना जाना निरादर करता है।

18	מֵפִיץ	וְחֶרֶב	וְחֵץ	שָׁנוּן	אִישׁ	עֹנֶה	בְרֵעֵהוּ	עֵד	שָׁקֶר׃
	गदा	और-तलवार	और-तीर	तीखा	मनुष्य	देनेवाला	पड़ोसी-अपने-के-विरुद्ध	साक्षी	झूठी
	H4650	H2719	H2671	H8150	H0376		H7453	H5707	H8267

वह मनुष्य, जो झूठी साक्षी अपने साथी के विरोध में देता है वह तो है हथौड़ा सा अथवा तलवार सा या तीखे बाणा सा।

19	שֵׁן	רֹעָה	וְרֶגֶל	מוּעָדֶת	מִבְטָח	בּוֹגֵד	בְּיוֹם	צָרָה׃
	दांत	टूटा-हुआ	और-पैर	उखड़ा-हुआ	भरोसा	विश्वासघाती-पर	दिन-में	संकट-के
	H8127	H7465	H7272	H4154	H4009	H0898	H3117	

विपत्ति के काल में भरोसा विश्वास—घाती पर होता है ऐसा जैसे दुःख देता दाँत अथवा लँगड़ाते पैर।

20	מַעֲדֶה	בֶּגֶד	בְּיוֹם	קָרָה	חֹמֶץ	עַל־	נָתֶר	וְשָׁר	בַשִּׁרִים	עַל	לֶב־	רָע׃
	उतारनेवाला	वस्त्र	दिन-में	ठंड-के	सिरका	पर-	खार	और-गानेवाला	गीतों-से	पर	हृदय-	दुखी
			H3117	H7135	H2558		H5427	H7891				
	פ											
	प											

जो कोई उसके सामने खुशी के गीत गाता है जिसका मन भारी है। वह उसको वैसा लगता है जैसे जोड़े में कोई कपड़े उतार लेता अथवा कोई फोड़े के सफफ पर सिरका उंडेला हो।

21	אִם־	רָעֵב	שֹׂנַאֲךָ	הַאֲכִלֵהוּ	לָחֶם	וְאִם־	צָמֵא	הַשְׁקֵהוּ	מָיִם׃
	यदि-	भूखा	शत्रु-तेरा	खिला-उसे	रोटी	और-यदि-	प्यासा	पिला-उसे	जल
		H7457	H8130	H0398	H3899		H6771	H8248	H4325

यदि तेरा शत्रु भी कभी भूखा हो, उसके खाने के लिये, तू भोजन दे दे, और यदि वह प्यासा हो, तू उसके लिये पानी पीने को दे दे।

22	כִּי	גֶחָלִים	אַתָּה	חֹתֶה	עַל־	רֹאשׁוֹ	וַיהוָה	יְשַׁלֶּם־	לָךְ׃
	क्योंकि	कोयले	तू	इकट्ठा-करता-है	पर-	सिर-उसके	और-यहोवा	बदला-देगा-	तुझे
		H1513		H2846			H3068		

यदि तू ऐसा करेगा वह लज्जित होगा, वह लज्जा उसके चिंतन में अंगारों सी धधकेगी, और यहोवा तुझे उसका प्रतिफल देगा।

23	רוּחַ	צָפוֹן	תְּחוֹלֵל	גָּשֶׁם	וּפָנִים	נִזְעָמִים	לְשׁוֹן	סָתֶר׃
	हवा	उत्तर-की	लाती-है	वर्षा	और-मुख	क्रोधित	जीभ	गुप्त
	H7307	H6828		H1653	H6440	H2194	H3956	

उत्तर का पवन जैसे वर्षा लाता है वैसे ही धूर्त—वाणी क्रोध उपजाती है।

24	טוֹב	שֶׁבֶת	עַל־	פִּנַּת־	גָּג	מֵאֵשֶׁת	]מדונים[	)מִדְיָנִים(	וּבֵית	חָבֶר׃
	उत्तम	बैठना	पर-	कोने-	छत-के	पत्नी-से-	[झगड़ालू]	(झगड़ालू)	और-घर	साझे-के
		H3427		H6438	H1406	H0802	H4066	H4066		H2267

झगड़ालू पत्नी के साथ घर में रहने से छत के किसी कोने पर रहना उत्तम है।

25	מַיִם	קָרִים	עַל־	נֶפֶשׁ	עֲיֵפָה	וּשְׁמוּעָה	טוֹבָה	מֵאֶרֶץ	מֶרְחָק׃
	जल	ठंडा	पर-	प्राण	थके-हुए	और-समाचार	अच्छा	देश-से	दूर
	H4325	H7119		H5315	H5889	H8052		H0776	H4801

किसी दूर देश से आई कोई अच्छी खबर ऐसी लगती है जैसे थके मादे प्यासे को शीतल जल।

26	מַעְיָן	נִרְפָּשׂ	וּמָקוֹר	מָשְׁחָת	צַדִּיק	מָט	לִפְנֵי־	רָשָׁע׃
	स्रोत	गंदा	और-कुआं	दूषित	धर्मी	लड़खड़ाता-हुआ	सामने-	दुष्ट-के
	H4599	H7515	H4726	H7843	H6662	H4131	H6440	H7563

गाद भरे झरने अथवा किसी दूषित कुँए सा होता वह धर्मी पुरूष जो किसी दुष्ट के आगे झुक जाता है।

27

אָכְל	דְּבַשׁ	הַרְבּוֹת	לֹא־	טוֹב	וְחֵקֶר	כְּבֻדָם	כָּבוֹד׃
खाना	शहद	बहुत	नहीं–	अच्छा	और–खोजना	महिमा–अपनी	महिमा
H0398	H1706		H3808		H2714	H3519	H3519

जैसे बहुत अधिक शहद खाना अच्छा नहीं वैसे अपना मान बढ़ाने का यत्न करना अच्छा नहीं है।

28

עִיר	פְּרוּצָה	אֵין	חוֹמָה	אִישׁ	אֲשֶׁר	אֵין	מַעְצָר	לְרוּחוֹ׃
नगर	टूटा–हुआ	बिना	दीवार	मनुष्य	जिसे	नहीं	संयम	आत्मा–अपनी–पर
	H6555	H0369	H2346	H0376		H0369	H4623	H7307

ऐसा जन जिसको स्वयं पर नियन्त्रण नहीं, वह उस नगर जैसा है, जिसका परकोटा ढह कर बिखर गया हो।